Dr. Vinod Baitha   Economics
Marwari college Darbhanga.

Q. एकाधिकार का क्या अर्थ है, इसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें
एकाधिकार बाजार की वह स्थिति होती है जिसमें किसी वस्तु का केवल एक ही विक्रेता होता है तथा उस वस्तु की कोई निकटतम प्रतिस्थापन वस्तु नहीं होती, दूसरे शब्दों में एकाधिकार का अर्थ अंग्रेजी शब्दों में मोनोपोली (Monopoly) दो शब्दों से बना है मोनो Mono का अर्थ अकेला, Poly का अर्थ विक्रेता अतः Monopoly का शाब्दिक अर्थ: अकेला विक्रेता अथवा एकाधिकार। इस प्रकार से एकाधिकार में केवल एक ही उत्पादक होता है, या वस्तु की पूर्ति उत्पादकों के समूह के हाथ में होती है जिससे वह वस्तु की कीमत पर प्रत्यक्ष प्रभाव रखते हैं।

अतः स्पष्ट है कि " एकाधिकार से हमारा अभिप्राय बाजार की उस परिस्थिति से है जिसमें एक विशिष्ट वस्तु की पूर्ति पर किसी एक उत्पादक अथवा फर्म का पूर्ण नियंत्रण रहता है।" चूंकि बाजार में केवल एक ही उत्पादक या फर्म रहती है इसलिए एकाधिकार की स्थिति में फर्म और उद्योग पर्यायवाची होते हैं। इस प्रकार एकाधिकार वाला उद्योग अनिवार्यतः एक फर्म का उद्योग (Single Firm Industry) होता है। एकाधिकार में किसी फर्म के उत्पादित वस्तु की कोई निकट स्थानापन्न वस्तु substitute नहीं होती जिसके कारण उस वस्तु की कीमत में परिवर्तन का अन्य वस्तुओं की कीमत पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता और न ही उस वस्तु की कीमत पर अन्य वस्तुओं के कीमत परिवर्तन का प्रभाव पड़ता है। इसी कारण एकाधिकारी वस्तु में मांग की आड़ी लोच शून्य होती है।

एकाधिकार की विभिन्न अर्थशास्त्रियों द्वारा दी गयी परिभाषाओं में से कुछ प्रमुख परिभाषाएं इस प्रकार हैं।

लर्नर (Lerner) के अनुसार " एकाधिकारी का अभिप्राय उस विक्रेता से है जिसकी वस्तु का मांग वक्र गिरता हुआ होता है। "

बोल्डिंग (Boulding) के अनुसार " शुद्ध एकाधिकारी वह फर्म है जो कोई ऐसी वस्तु उत्पन्न कर रही है जिसका किसी अन्य फर्म की उत्पादित वस्तुओं में कोई प्रभावपूर्ण स्थानापन्न नहीं होता "

Scanned by CamScanner

सुमनर (Sumner) के अनुसार "विशुद्ध एकाधिकारी से आशय मांग की लोच शून्य होने से है जबकि शुद्ध प्रतियोगिता में मांग की लोच असीमित होती है।"

प्रो० बेन्हम (Benham) के अनुसार "एकाधिकारी अवस्था! एक विक्रेता होता है और एकाधिकार शक्ति स्वतः के सम्पूर्णता! नियंत्रण पर आधारित होता है।"

इस प्रकार एकाधिकारी से आशय उस एकाकी फर्म उद्योग से है जहाँ पर फर्म की वस्तु एवं बाजार में बेची जानेवाली वस्तुओं के बीच में मांग की आड़ी लोच शून्य होती है।

एकाधिकार की विशेषताऐ निम्नलिखित है।

1. अकेला उत्पादक अथवा विक्रेता :— (Single producer or seller) एकाधिकारी अपनी वस्तु का अकेला उत्पादक अथवा विक्रेता होता है।

2. फर्म एवं उद्योग एक-दूसरे के प्रर्यायवाची - (Firm and Industry are synonymous) एकाधिकारी एक फर्म वाला उद्योग होता है। अतः फर्म एवं उद्योग दोनों एक-दूसरे के प्रर्यायवाची होते है।

3. कोई स्थानापन्न वस्तु नहीं (No near substitutes) एकाधिकारी ऐसी वस्तु का उत्पादन एवं विक्रय करता है जिसके प्रभावपूर्ण निकट स्थानापन्न वस्तुऐं बाजार में उपलब्ध नहीं होती।

4. नई फर्मों के प्रवेश पर प्रभावपूर्ण रोक (Effective control Entry of new firms) एकाधिकार की स्थिति में न केवल अल्पकाल में बल्कि दीर्घकाल में भी नई फर्मों के प्रवेश पर प्रभावी रोक लगी रहती है। एकाधिकार तभी बना रहता है जब तक नई फर्में उद्योग में प्रवेश न कर सके।

5. औसत आय सीमान्त आय वक्र (Average Income and Marginal Income) एकाधिकारी फर्म का औसत आय वक्र AR बाऐं से दाँए नीचे की ओर ढालु होता है जो यह बताता है कि कम कीमत पर वस्तु बेची जा सकती है। और सीमान्त आय

Scanned by CamScanner

वक्र M.R औसत आगम वक्र AR की तरह नीचे की ओर ढालू होता है। तथा औसत आगम वक्र से नीचे होता है। एकाधिकारी की औसत आगम या आगम व सीमान्त आगम को चित्र में दिखाया गया है।

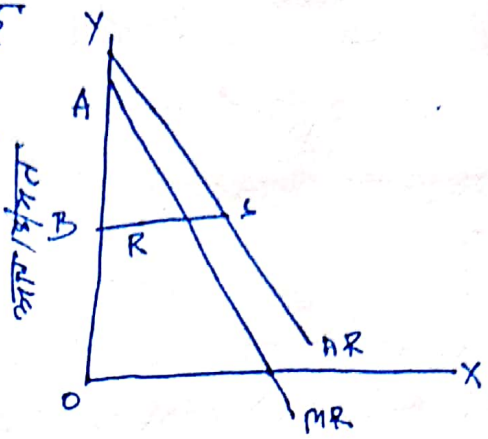

6. स्वतंत्र कीमत नीति Independent Price Policy – एकाधिकारी फर्म स्वतंत्र कीमत नीति अपना सकती है अर्थात वह अपनी इच्छानुसार कीमत में कमी या बढ़ोत्तरी कर सकती है। औसत आगम वक्र का नीचे की ओर ढालू होना ही यह प्रकट करता है कि फर्म कीमत निर्धारक (Price-Maker) होती है।

7. कीमत विभेद सम्भव है। (Price Discrimination Possible) एकाधिकारी अथवा कीमत विभेद सम्भव है अर्थात उत्पादक अपनी वस्तु को अलग-अलग क्रेताओं अथवा अलग-अलग संस्थाओं पर अलग-अलग कीमतों पर बेच सकता है।

8. वस्तु की पूर्ति पर पूर्ण नियंत्रण – Full control on supply of goods – एकाधिकारी का अपनी वस्तु की पूर्ति पर पूर्ण नियंत्रण होता है। अर्थात वह अपनी वस्तु की पूर्ति को कम अथवा अधिक कर सकता है।

9. दीर्घकालीन में असामान्य लाभ – Abnormal profits in Long Period – एकाधिकारी दीर्घकाल की स्थिति में असामान्य लाभ अर्जित कर सकता है।

इस तरह एकाधिकार की स्थिति में वस्तु को बेचने वाला एक फर्म या व्यक्ति ही होता है और वस्तु की कोई स्थानापन्न वस्तु नहीं होती है।

डॉ० विनोद बेदी
अर्थशास्त्र विभाग
मारवाड़ी महाविद्यालय
दरभंगा

Scanned by CamScanner